लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूरे

चर्चा में क्यों?

1 अगस्त 2025 को लखनऊ स्थित चारबाग रेलवे स्टेशन ने अपने **100 वर्ष** पूरे कर लिये। इसकी **विशिष्ट** वास्तुकला और **ऐतिहासिक विरासत** लखनऊ की **अलग पहचान** का प्रतीक हैं।

मुख्य बिंदु

- **इतिहास और वास्तुकला:**
  - चारबाग रेलवे स्टेशन का निर्माण **मुगल, राजस्थानी और** अंग्रेज़ी स्थापत्य का सुंदर संगम है।
  - इसकी आधारशिला वर्ष **1914 में बिशप जॉर्ज हर्बर्ट** द्वारा रखी गई थी तथा निर्माण कार्य वर्ष **1923 में पूर्ण** हुआ।
  - इस भवन को **J.H. हॉर्नमैन** द्वारा **भारतीय-अंग्रेज़ स्थापत्य शैली** के समन्वय से निर्मित किया गया था।
  - 1 अगस्त 1925 को ईस्ट इंडिया रेलवे के एजेंट सी.एल. कॉल्विन ने इसी भवन के बुर्ज के भीतर एक **स्मृति-पेटिका** (casket) स्थापित की, जिसमें उस **समय का एक सिक्का और एक समाचार-पत्र रखा गया। य**ह भवन की नींव पूर्ण होने की स्मृति के रूप में किया गया था।
- **स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका:**
  - चारबाग स्टेशन स्वतंत्रता संग्राम के दौरान **महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और मौलाना आज़ाद** जैसे प्रमुख नेताओं के आगमन का साक्षी रहा है।
  - ऐसा माना जाता है कि **गांधी जी और नेहरू के बीच पहली औपचारिक मुलाकात (26 दिसंबर 1916)** इसी स्टेशन पर हुई थी, जिससे यह एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल बन गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lucknow-s-charbagh-railway-station-completed-100-years